

प्रतिहारे 7, 66, 14. 1, 102, 2. रुक्म 117, 5. उपम 7, 75, 3. अथवा न चित्रा वपुषीव दर्शता 10, 75, 7. 1, 36, 9. 38, 13. वरुणो यस्य दर्शतो मित्रो वा वन्ति गिरः 5, 65, 1. AV. 4, 10, 6. 7, 81, 4. ÇAT. Br. 14, 8, 15, 4. 9. Zu दर्शतात् RV. 1, 161, 11 vgl. 10. 39, 8 und oben ऋष्यद्. Vgl. विश्व°. — 2) m. a) die Sonne. — b) der Mond UóóVAL.

दर्शतश्चै (द° + श्चै) adj. ausgezeichnet schön: स दर्शतश्चैरतिथिर्गृहे गृहे वने वने शिश्रिये तत्रचैरिव RV. 10, 91, 2.

दर्शन (von दर्म्) 1) adj. sehend, blickend P. 5, 2, 6. Am Ende eines comp.: तुल्य°, सम° s. u. dd. Ww. देव° die Götter sehend so v. a. besuchend, mit ihnen verkehrend, Beiw. Nārada's MBh. 13, 3203. 3254. Bhāg. P. 2, 8, 1 (BURN.: doué de la vue divine). मैथिलीदर्शनीनाम् (v. l. °दर्शनीनाम्) — अङ्गनाम् hinschauend nach RAGH. 11, 93. धर्म° sehend, kennend MBh. 13, 3254. भागवतधर्म° Bhāg. P. 5, 4, 11 (BURN.: lehrend). Mit caus. Bed. zeigend, angehend, lehrend: हेतुभिर्मातृदर्शने: MBh. 1, 583 (vgl. मोक्षदर्शनि: 522). (शास्त्रम्) परिज्ञायस्य दर्शनम् (v. l. दर्शकम्) Hit. Pr. 9. दर्शनी als Beiw. der Durgā HARIV. 10238 viell. Wegweiserin, Führerin (vgl. दर्शयित्). — 2) n. proparox. a) das Sehen, Erblicken, Wahrnehmen; das Sichtbarwerden oder -sein, zum-Vorschein Kommen: पृष्ठं न नष्टमिव दर्शनाय विज्ञाद्यं दद्युर्विश्वाकाय RV. 1, 116, 23. दर्शनेन अरण्येन मत्या विज्ञानिनेदे सर्वं विदितम् ÇAT. Br. 14, 5, 4, 5. ह्यराच्छ्रवणानि दर्शनानि चास्य भवन्ति Wahrnehmungen durch das Auge SUCR. 2, 138, 10. पक्षेपोत्पठितो देवो निरुन्त्यादाप्रु दर्शनम् Sehkraft 343, 4. एतच्छ्रुत्वा वचस्तस्य प्रत्यक्षमिव दर्शनम् MBh. 13, 961. अथ ते ऋष्टुमिच्छुवः पुत्रं पश्चिमदर्शनम् D. 2, 25. न त्वेकः को ऽपि तावत्कृतकानकपुरीदर्शने लभ्यते स्म der die goldene Stadt gesehen hätte KATHAS. 24, 232. दुर्लभदर्शना die man schwer zu Gesicht bekommt R. 1, 17, 23. दर्शनेनैव भवतीनाम् (obj.) पुरस्कृतो ऽस्मि ÇIK. 18, 18. मृगस्य (subj.) प्रथमदर्शनदिने Hit. 20, 18. प्रवृत्तावुपलब्ध्यायां तस्याः संयातिदर्शनात् durch das Erblicken, das Zusammen treffen mit S. RAGH. 12, 60. तपस्विदर्शनाचिते प्रदेशे zum Empfange der Einsiedler ÇIK. 61, 13. RĀGA - TAR. 6, 43. समाज्ञात्सच° das Sehen, Besuchen von Gesellschaften und Festen JĀGŪ. 1, 84. पुण्य° das Besuchen heiliger Orte ÇIK. Da. पुयः स्वामिकुमारस्य दर्शने दत्तिणापयम् zu sehen so v. a. zu verehren KATHAS. 3, 3. — दुःस्वप्न° ÇĀNKU. GRH. 5, 5. R. 5, 27, 3. MĀRK. P. 31, 22. आ नक्षत्रदर्शनात् ĀCV. GRH. 3, 7. आर्कदर्शनात् M. 2, 101. आर्तवदर्शने 4, 40. अश्वदर्शने 104. आ पूयदर्शनात् SUCR. 1, 15, 9. व्याधि° 82, 14. सिराणां दर्शनं ललाटे 118, 3. अनिष्टदर्शनं ज्ञातम् Hit. 9, 7. भार्यादर्शने wenn die Frau sichtbar ist, in Gegenwart der Frau JĀGŪ. 1, 131. विक्रेतुदर्शनात् dadurch, dass der Verkäufer zum Vorschein kommt, offenbar wird 2, 170. नित्यादित्यदर्शनादकसेचनेन ह्यपितये भूमिः durch das beständige Sichtbarsein, Daraufliegen der Sonne MRĀKH. 47, 5. ब्रह्म° MBh. 13, 1104. Bhāg. P. 1, 2, 24. 3, 33. को ऽयं मम दर्शने स्थितः MBh. 4, 235. तत्सर्वथा ह्यरे परिकरणीयमस्य दर्शनम् PRAB. 46, 6. DhŪRTAS. 70, 13. संप्राप्तो दर्शनं मे R. 1, 47, 22. पुनर्न दर्शनमुपैति पुरुषस्य SĀMĀHJAK. 61. दर्शनमायाति VARĀH. BH. S. 3, 12. यदा ब्रजेदर्शनमस्तमिति वा 9, 36. आहूत इव मे शीघ्रं दर्शनं याति चेतसि Bhāg. P. 1, 6, 34. देहि मुन्दरि दर्शनं मम zeige dich mir Gtr. 3, 9. ततो ऽत्तः प्रभुणा तेन स्कन्देन मम दर्शनम् । दत्तम् KATHAS. 7, 9. अन्वेष्युरथ भूयेन स बर्हिर्दत्तदर्शनः RĀGA - TAR. 4, 63. मारीचस्ते दर्शनं वितरति gewährt dir seinen Anblick, ist bereit dich zu empfangen

ÇIK. 108, 18. दत्तिणाधिपतिना सह दर्शनं संज्ञातम् sand eine Zusammenkunft statt VET. 35, 11. 28, 15. तस्य राजकुमारस्य पद्मावत्या (ohne सह!) दर्शनं संज्ञातम् 10, 20. प्रत्यक्षं दर्शनं करोति sieht ihn, besucht ihn jeden Tag 2, 8. ततः संधिविग्रहेण सहानुसरे राज्ञो दर्शनं कारितम् wurde eine Zusammenkunft mit — veranstaltet 20, 6. das Erscheinen vor Gericht: यो यस्य प्रतिभूस्तिष्ठेदर्शनायेक मानवः M. 8, 158. दर्शनप्रातिभाव्य 160. °प्रतिभू JĀGŪ. 2, 54. 53. राजा रक्षसि ह्यस्य हि दर्शनायोपमन्त्रयेत् KĀM. NĪTIS. 6, 11. das Vorkommen (in einem System oder Buch), das Erwähntsein, namentl. in kanonischen Büchern: तथा हि दर्शनम् VEDĀNTASŪTRA 1, 25. KĀTJ. ÇR. 1, 1, 8. 19. 2, 9. 15. स्वाध्यायदर्शनात् 26, 7, 58. LĪTJ. 6, 1, 4. 11. 14. 9, 6, 19. शास्त्रदर्शनात् nach der Art, wie in den Ç. davon gesprochen wird, den heiligen Vorschriften gemäss MBh. 14, 2700; vgl. शास्त्रतो दृष्ट्वा R. 1, 13, 7. शास्त्रदृष्टमाह MĀLAV. 9, 13. — das Besehen, Besichtigen, in-Augenschein-Nehmen: बलानां दर्शनं कृत्वा JĀGŪ. 1, 328. HARIV. 5460. das Sehen so v. a. Erfahren, Theilhaftwerden: अणुनर्वच° Bhāg. P. 1, 8, 25. das Sehen im Geiste, Voraussehen: वाच्यदर्शनात् RAGH. 8, 71. das Beschauen mit dem Geiste, Prüfen, Untersuchen: कार्य° M. 8, 9. 23. das Auffassen einer Sache, Urtheilen: न हि स्वामिप्रायेण मे दर्शनम् ÇIK. 34, 8. das Einsehen, Erkennen, Verstehen, Einsicht, Erkenntnis, Verständnis: अतीन्द्रियेष्वप्युपपन्नदर्शना बभूव भावेषु RAGH. 3, 41. सम्यग्दर्शनसंयत्नः कर्मभिर्न निबध्यते । दर्शनेन विक्रोन्स्तु संसारं प्रतिपद्यते M. 6, 74. तत्त्वज्ञानार्थ° BHAG. 13, 11. योगेनात्मदर्शनम् JĀGŪ. 1, 8. अयुक्तिबुद्धिगुणदोषदर्शने R. 3, 37, 23. न हि बुद्धिगुणैर्नैव मुक्तदामर्थदर्शनम् MĀLAV. 64. परार्थन्यायवादिषु काणो ऽप्यज्ञानदर्शनः VID. 63. अल्प° adj. wenig Einsicht habend Hip. 1, 45. das Einsehen so v. a. Anerkennen: प्रवृत्तिष्वदर्शनम् JĀGŪ. 3, 158. वेदप्रामाण्य° MĀRK. P. 15, 43. Ansicht, Meinung: मन्त्रिपरिषदे ऽप्येतेदेव दर्शनम् MĀLAV. 70, 7. विद्याश्चतस्रं श्रुत्वा इति नो गुरुदर्शनम् KĀM. NĪTIS. 2, 6. Absicht: सशरीरो दिवं यायामिति मे दर्शनम् R. 1, 58, 18. पापदर्शना Böses beabsichtigend R. GORR. 2, 9, 38; vgl. पापदर्शनी R. Schl. 2, 35, 25. 73, 5. R. GORR. 2, 6, 13. 8, 37. Nach den Lexicogr. दर्शन = ईक्षण AK. 3, 3, 31. H. 577. = उपलब्धि TRIK. 3, 3, 243. H. a. n. 3, 382. MRD. n. 73. = बुद्धि H. a. n. MRD. — b) am Ende eines adj. comp. (f. श्चा) Aussehen, Schein: दिव्यकानन° N. 12, 44. विमानोपम° MBh. 7, 6440. चण्डाल° R. 1, 58, 16. 4, 2, 9. अनर्थो ऽर्थदर्शनः MBh. 10, 554. सौम्य° M. 2, 47. अनेकाद्भुत° BHAG. 11, 10. अद्भुत° KATHAS. 14, 76. चारु° MBh. 3, 2707. R. 5, 14, 65. चारुसर्वाङ्ग° N. 12, 18. वल्गु° AK. 3, 4, 33. उन्मत्त° N. 2, 3. उग्र° SUND. 2, 24. विकृत° Hip. 3, 3. रुद्र° R. 2, 31, 29. घोर° 1, 1, 54. Hip. 2, 5. भीम° RAGH. 3, 57. Viell. hierher zu ziehen दर्शन = वर्णा Farbe TRIK. — c) Erscheinung im Schlafe, Traumgesicht, = स्वप्न H. a. n. MRD. ददर्श दर्शने राजा देवं नारायणम् HARIV. 1285. — d) Anschauungsweise, Lehre, Doctrin, = शास्त्र TRIK. H. a. n. MRD. ब्रतानां धारणां तुल्यं दर्शनं न समं तयोः (योगसौख्ययोः) MBh. 12, 11045. fg. येनैवात्तो (भगवान्) न तुष्येत मन्ये तद्दर्शनं खिलम् Bhāg. P. 1, 5, 8. नानादर्शने: 8, 14, 10. PRAB. 61, 11. सुगत° 32, 14. नैयायिक° 83, 8. sechs philosophische Systeme (s. u. तर्क, तार्किक) VET. 29, 7. KULĀRĀVAT. in Verz. d. Oxf. H. 91, a, 1. — e) = धर्म H. a. n. MRD. virtue, moral merite WILS. — f) Auge T. IK. H. 575. H. a. n. MRD. कुपितस्य मुनेस्तस्य ललाटात्स्वेदं दिन्द्वः । अयतन्दर्शनोदेवमधस्तात्तादृशवर्चसः ॥ SUCR. 2, 296, 4. चित्ताज्ञे दर्शनम् ÇIK. 81. पश्यामि यो-